<u>જા.ક્ર. ૭૪/૨૦૧૬-૧૭</u>

<u>જગ્યાનું નામ : સરકારી કોલેજોમાં સંસ્કૃત વિષયના મદદનીશ પ્રાધ્યાપક, વર્ગ-૨</u>

<u>ભાગ-૧ અને ભાગ-૨ ના ૧૫૦ મિનિટના સંયુક્ત પ્રશ્નપત્રની પ્રાથમિક કસોટીનો અભ્યાસક્રમ</u>

પ્રાથમિક કસોટીનો અભ્યાસક્રમ ભાગ-૧ માધ્યમ: ગુજરાતી કુલ ગુણ :૧૦૦	
૧	ભારતની ભૂગોળ- ભૌગોલિક, આર્થિક, સામાજિક, કુદરતી સંસાધન અને વસ્તી અંગેની બાબતો- ગુજરાતના ખાસ સંદર્ભ સાથે
૨	ભારતનો સાંસ્કૃતિક વારસો- સાહિત્ય, કલા, ધર્મ અને સ્થાપત્યો- ગુજરાતના ખાસ સંદર્ભ સાથે
૩	ભારતનો ઈતિહાસ- ગુજરાતના ખાસ સંદર્ભ સાથે
૪	ભારતની અર્થવ્યવસ્થા અને આયોજન
૫	<u>ભારતીય રાજનીતિ અને ભારતનું બંધારણ:</u> (૧) આમુખ (૨) મૂળભૂત અધિકારો અને ફરજો (૩) રાજ્યનીતિના માર્ગદર્શક સિદ્ધાંતો (૪) સંસદની રચના (૫) રાષ્ટ્રપતિની સત્તા (૬) રાજ્યપાલની સત્તા (૭) ન્યાયતંત્ર (૮) અનુસૂચિત જાતિ, અનુસૂચિત જનજાતિ અને સમાજના પછાત વર્ગો માટેની જોગવાઈઓ (૯) એટર્ની જનરલ (૧૦) નીતિ આયોગ (૧૧) પંચાયતી રાજ (૧૨) નાણા પંચ (૧૩) બંધારણીય તથા વૈધનિક સંસ્થાઓ- ભારતનું ચૂંટણી પંચ, સંઘ લોક સેવા આયોગ, રાજ્ય લોક સેવા આયોગ, કોમ્પ્ટ્રોલર એન્ડ ઓડિટર જનરલ; કેન્દ્રીયસતર્કતા આયોગ, લોકપાલ તથા લોકાયુક્ત અને કેન્દ્રીય માહિતી આયોગ
૬	સામાન્ય બૌદ્ધિક ક્ષમતા કસોટી
૭	સામાન્ય વિજ્ઞાન, પર્યાવરણ અને ઈન્ફર્મેશન એન્ડ કોમ્યુનિકેશન ટેકનોલોજી
૮	ખેલ જગત સહિત રોજબરોજના પ્રાદેશિક, રાષ્ટ્રીય અને આંતરરાષ્ટ્રીય મહત્વના બનાવો

****

Syllabus of Preliminary Test

part-1

Medium: Gujarati Total Marks- 100

1	Geography of India-Physical, Economic, Social, Natural Resources and population related topics- with special reference to Gujarat
2	Cultural heritage of India-Literature, Art, Religion and Architecture- with special reference to Gujarat
3	History of India with special reference to Gujarat
4	Indian Economy and Planning
5	Indian Polity and the Constitution of India: (1) Preamble (2) Fundamental Rights and Fundamental Duties (3) Directive Principles of State Policy (4) Composition of Parliament (5) Powers of the President of India (6) Powers of Governor (7) Judiciary (8) Provisions for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and backward classes of the society (9) Attorney General (10) NITIAayog (11) Panchayati Raj Institutions (12) Finance Commission (13) Constitutional and Statutory Bodies: Election Commission of India, Union Public Service Commission, State Public Service Commission, Comptroller and Auditor General; Central Vigilance Commission, Lokpal and Lokayukta, Central Information Commission
6	General Mental Ability
7	General Science, Environment and Information & Communication Technology
8	Daily events of Regional, National and International Importance including Sports

****

જાહેરાત ક્રમાંક ૭૪/૨૦૧૬-૧૭

ભાગ-૨ સંબધિત વિષયનો અભ્યાસક્રમ

જગ્યાનું નામ : સરકારી કોલેજોમાં સંસ્કૃત વિષયના મદદનીશ પ્રાધ્યાપક, વર્ગ-૨

કુલ પ્રશ્નો ૨૦૦ કુલ ગુણ ૨૦૦ माध्यम:संसकृत

1. वैदिक साहित्य

देवता : अग्नि ; सवितृ ; विष्णु ; इन्द्र ; रुद्र ; बृहस्पति ; अश्विनी वरुण ; उषस् ; सोम ;

विषय-वस्तु : संहिताएँ ; ब्राह्मण एँवं आरण्यक ; उपनिषद्

सम्बाद सूक्त : पुरखा-उर्वशी ; यम-यमी ; सर्मा-पणि ; विश्वामित्र-नदी

वैदिक साहित्य का इतिहास : वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिध्धान्त- नैक्समूलर ; एँ.वेबर ; जैकोबी ; बालगंगाधर तिलक एँम. विन्टरनिट्त्ज ; भारतीय परम्परागत विचार

ऋग्वेद का क्रम

संहिताओं के पाठ-भेद

वेदांग : शिक्षा : कल्प : व्याकरण : निरुक्त : छन्द : ज्योतिष

2. दर्शन

इश्वरकृष्ण की साख्यकारिका : सत्कार्यवाद ; पुरुष-स्वरुप ; सुष्टिक्रम ; प्रत्यसर्ग ; कैवल्य

सदानन्द का वेदान्तसार : अनुबन्ध-चतुष्टय ; अज्ञान ; अध्यारोप-अपवाद ; लिंगशरीरोत्पत्ति ; पंजीकरण ; विवर्त ; जीवनमुक्ति

केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह : पदार्थ ; कारण ; प्रणाम-प्रत्यक्ष ; अनुमान ; उपमान ; शब्द

3. व्याकरण एँवं भाषाविज्ञान

व्याकरण : परिभाषाएँ-संहिता ; गुण ; वृध्धि ; प्रतिपदिक ; नदी ; उपधा ; अपृक्त ; गति ; पद ; विभाषा ; सवर्ण ; टि ; प्रगुह्य ; सर्वनाम-स्थान ; निष्ठा

कारक : सिध्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास : लघुसिधान्तकौमुदी के अनुसार

भाषाविज्ञान

भाषा की परिभाषा एँवं प्रकार (परिवारमूलक एँवं आकृतिमूलक) ; भाषाओं का वर्गीकरण ;

भाषा प्रक्रिया एँवं ध्वनियो का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एँवं स्वर ; द्वनि सम्बन्धी नियम ;

भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएँ

4. निम्नलिखित ग्रंन्थो का सामान्य अध्ययन :

पध्ध : रघुवंश ; मेघदूत ; किरातार्जुनीय ; शिशुपालवध ; नैषदीयचरित ;बुध्धचरित

गध्ध : दशकुमारचरित ; हर्षचरित ; कादम्बरी

नाटक : स्वप्नवासवदत्ता ; अभिज्ञानशाकुन्तल ; मुच्छकटिक ; उत्तररामचरित; मुद्राराक्षस ; रत्नावली ; वेणीसंहार

काव्यशास्त्र :

साहित्यदर्पण :

काव्य की परिभाषा ;काव्य की अन्य परिभाषाओं का खन्डन

शब्दशक्ति-संकेतग्रह ; अभिधा ; लक्षणा ; व्यध्धना

रस (रस-भेद स्थायी भावो सहित)

रुपक के प्रकार

नाटक के लक्षण

महाकाव्य के लक्षण

5. **संहिताएँ : निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन** :

ऋग्वेद-अग्नि (1.1) ; इन्द्र (2.12) ; पुरुष (10.90) ; हिरण्यग्रभ (10.121) ; नासदीय (10.129) ; वाक् (10.125)

अथर्ववेद-पृथिवी (12.1)

ब्राह्मण एँवं आरण्कयक :

सामान्य लक्षण ; विशेषताएँ ; दर्शपीर्णमास यज्ञ ; आख्यान-शुन शेष तथा वाड्मनस् ; पध्ध महायज्ञ

व्याकरण एँवं वैदिक व्ख्या- पद्धति :

पदपाठ : स्वर-उद्दात्त, अनुदात्त तथा स्वरित ; वैदिक एँवं लौकिक संस्कृत में अन्तर ;

6. **विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओ का अध्ययन । विशेषत :** निम्नलिखित उपनिषदो के सन्दर्भ मे :

इश ; कठ ; केन ; बृहदारण्क ; तैत्तिरीय

7. वेदाड्डो का सामान्य ऐवं संक्षिप्त परिचय

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद- नाम का विचार ; आख्यात का विचार ; उपसर्गो का अर्थ ; निपातो की कोटियां

क्रिया के छ : रुप (षडभावविकार)

निरुक्त के अध्ययन के उद्श्य

निर्वचन के सिद्धांत

निम्नलिखित शब्दो की व्युत्पत्तियाँ :

आचार्य ; वीर ; ह्रद ; गो ; समुद्र ; वृत्र ; आदित्य ; उपष ;

मेघ ; वाक् उदक नदी अश्व अग्नि ; जातवेदस् ; वैशवानर ; निघण्टु

8. **महाभाष्य (पस्पशाह्निक)** :

शब्द की परिभाषा ; शब्द ऍवं अर्थ सम्वन्ध ; व्याकरण के अध्ययन के उदेश्य ; व्याकरण की परिभाषा ; साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम ; व्याकरण की पद्धति

सिध्दान्तकौमुदी : तिडन्त (भू ऍवं ऍध् मात्र) ; कृदन्त (कृत्य प्रक्रिया मात्र ; तध्दित (मत्वर्थीय) ; कारक प्रकरण ; स्त्री प्रत्यय

भाषाविज्ञान : भाषा की परिभाषा ; भाषों का वर्गीकरण (आकृतिमूलक ऍवं पारिवारिक) ; संस्कृत ध्वनियों के विशेष सन्दर्भ में मानवीय ध्वनि-यंत्र ; ध्वनि-परिवर्तन के कारण ; ध्वनि -नियम (ग्रिम, ग्रासमान तथा वर्नर) ; अर्थपरिवर्तन की दिशाऍ तथा कारण ; वाक्य का लक्षण तथा भेद ; भारोपीय भाषा परिवार का लसामान्य ऍवं संक्षिप्त परिचय भाषा तथा वाक् में अन्तर ; भाषा और बोली में अन्तर

9. व्याख्या ऍवं समीक्षात्मक प्रश्न

इश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका ; सदानन्द का वेदान्सार ; लौगाक्षी भास्कर का अर्थसंग्रह

10. रामायण

रामायण का क्रम ; रामायण में आख्यान ; रामायँकालीन समाज ; परवर्ती ग्रन्थों के लिऔ रामायण ऍक प्रेरणा-स्त्रोत ; रामायण का साहित्यिक महत्व

महाभारत

महाभारत का क्रम ; महाभारत में आख्यान ; महाभारतकालिन समाज ; परवर्ती ग्रन्थों के लिऍ महाभारत औक प्रेरणा-स्त्रोत ; महाभारत का साहित्यिक महत्व

पुराण

पुराण की परिभाषा ; महापुराण ऍवं उपपुराण ; पौराणिक सृष्टि विज्ञान ; पुरा ऍवं लौकिक कलाऍ ; पौराणिक आख्यान

11. **कौटिल्य अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकार)** ; मनुस्मृति (प्रथम, द्रितिय तथा सप्तम अधयाय) ; याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय मात्र)

12. **पध्ध : रघुवंश (**प्रथम तथा चतुर्दश सर्ग) ; किरातार्जुनीय (प्रथम सर्ग) ; शिशुपालवध (प्रथम सर्ग) नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग)

गध्ध : दशकुमारचरितम् (अष्टमोच्छवास:) हर्षचरितम् (पध्मोच्छवास:) कादम्बरी (महाश्वेताव्रत्तान्त)

काव्यशास्त्र : काव्यप्रकाश-काव्यलक्षण ; काव्यप्रयोजन ; काव्यहेतु; काव्यभेद; शब्दशक्ति ; अभिहितान्वयवाद ; अन्विताभीधानवाद ; रसस्वरुप ऍवं रससूत्रविमर्श ; रसदोष ; काव्यगुण अलंकार-अनुप्रास श्लेष; वक्रोति; उपमा; रुपक; उत्प्रेक्षा; समासोक्ति; अपह्युति ; निदर्शना अर्थान्तरन्यास ; द्ष्टांत ; विभावना ; विशेषोक्ति ; संकर ; संसृष्टि

ध्वन्यालोक (प्रथम उध्धात)

13. **नाट्य-कर्णभार** ; अभिज्ञानशाकुन्तल; उत्तररामचरित मुद्राराज्ञस ; रत्नावली नाट्यशास्त्र-भरत-नाट्यशास्त्र (प्रथम, द्रितीय थता षष्ठ अध्याय) ; दशरूपक (प्रथम तथा तृतीय प्रकाश)

14. **तर्कसंग्रह** (दीपिका खया सहित)

तर्कभाषा-केशवमित्र

प्रभातृ, प्रमेय और प्रगिति की अवधारणाओं का अध्ययन

15. **संहिताऍ** :

निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययन :

ऋग्वेद

वरुण (1.25) ; सूर्य (1.125) ; उषस्(3.61) ; पर्जन्य(5.83)

शुक्ल यजुर्वेद

शिवसक्ड्ल्प (1.6) ; प्रजापति (1.5)

अथर्ववेद

राष्ट्रभिवर्ध्दनम् (1.29) ; काल (10.53)

ब्राह्मण :

प्रतिपाध्ध-विषय ; विधि ऍवं उसके प्रकार ; अग्निष्टोम यज्ञ विभिन्न संहिताओं से ब्राह्मण-ग्रन्थों की सम्बध्धता

ऋक्-प्रातिशाख्य :

निम्नलिखित परिभाषाऍ :

समानाक्षर ; सन्धयक्षर ; अघोष ; सोष्म ; स्वरभक्ति ; यम ; रक्त ; संयोग ; प्रगृह्म ; रिफित

निरुक्त (7-अध्याय-दैवत काण्ड)

मन्त्रो के प्रकार ; देवताओं के स्वरुप ; देवताओं की संख्या

16. **वाक्यपदीय** (प्रह्मकाण्ड)

स्फोट का स्वरूप ; शब्द-ब्रह्म का स्वरूप ; शब्द की शक्तियां ; स्फोट ऍवं ध्वनि के बीच सम्बन्ध ; शब्द- अर्थ सम्बन्ध ; ध्वनि के प्रकार ; भाषा के स्तर

सिद्धांतकौमुदी

समास ; परस्मैपदविधान ; आत्मनेपदविधान

पाणिनीयशिक्षा

17. योगसूत्र-व्यासभाष्य

चित्तभूमि ; चित्तवृत्तियां ; इश्वर का स्वरूप ; योगाङ्ध ; समाधि ; कैवल्य

वेदान्त ; ब्रह्मसूत्र-शाक्डरभाष्य

न्याय-वैशेषिक : न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमानखण्ड)

सर्वदर्शन संग्रह-जैनमत ; बौद्धमत

18. **काव्यप्रकाश** (द्वितीय तथा पगच्म उल्लास) ; पक्रोत्किजीवितम् (प्रथम उन्मेष); काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय) ; रसगध्डाधर-प्रथम आनन (रसनिरुपणान्त)

19. पुरालिपि :

ब्राह्मीलिपि को पढने का इतिहास : भारतमें लेखन कला की प्राचीनता ;ब्राह्मीलिपि की उत्पत्ति के सिद्धांत ; शिलालेख सम्बन्धी सामग्री के प्रकार ; गुप्त ऍवं अशोक काल की ब्राह्मीलिपि

अशोक के अभलेख :प्रमुख शिलालेख ; प्रमुख स्म्भलेख ; गुजर्रा लघु-शिलालेख ; मास्कि शिलालेख ; रुम्मिनदेइ स्तम्भलेख ; कन्धार का ध्विभाषी शिलालेख

मौर्योत्तर काल के अभिलेख :

कनिष्क के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौध्ध प्रतिमा लेख ; कनिष्क के शासन वर्ष 18 का मनकियाला अभिलेख ; खारवेल का हाथी गुम्फा अभिलेख

गुप्तकालिन ऍवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख :

समुद्रगुप्त का अलाहाबाद स्तम्भ लेख ; चन्द्रगुप्त द्रितीय का वर्ष 61 का मथुरा शिलालेख ; चन्द्र का महरौली लौह स्तम्भ लेख ; कुमारगुप्त प्रथम के काल का विलसद स्म्भ लेख ; कुमारगुप्त प्रथम का व्रष 128 का दामोदरपुम ताम्र पट्ट अभिलेख ; स्कन्दगुप्त का गिरनार शिलालेख ;

स्कन्दगुप्त का इन्दौर ताम्र पट्ट अभिलेख ; स्कन्दगुप्त का भितरी स्तम्भ अभिलेख;

तन्तुवाय श्रेणी का मन्दसौर शिलालेख ; प्रभावती गुप्ता का पूना ताम्र पट्ट अभिलेख;

तोरमाण का ऍरण अभिलेख ; मिहिरकुल का ग्वालियार अभिलेख ;

यशोधर्मन का मन्दसौर स्तम्भ लेख ; यशोधर्मन-विषणुवर्धन का मन्दसौर शिलालेख ;

महामनामन का बोधगया अभिलेख ; जीवितगुप्त द्रिवतीय का देवबर्णारक अभिलेख;

धरसेन द्रितीय का मालिया ताम्र पट्ट अभिलेख ; इशावर्मन का हड्हा अभिलेख ;

हर्ष का वांसखेडा ताम्र पट्ट अभिलेख ; पुलकेशी द्रितीय का ऍहोले शिलालेख ;

प्रतिहास नृप मिहिरभोज का ग्वालियार अभिलेख ;